Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 8

सामाजिक विज्ञान

हमारे अतीत-III

अध्याय-5 : जब जनता बग़ावत करती है
1857 और उसके बाद

अभ्यास प्रश्न

निर्मल सिंह



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

फिर से याद करें

1 झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की अंग्रेज़ों से ऐसी क्या माँग थी जिसे अंग्रेज़ों ने ठुकरा दिया?





Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई की अंग्रेज़ों से ऐसी क्या माँग थी जिसे अंग्रेज़ों ने ठुकरा दिया?

उत्तर :

☛ झाँसी की रानी चाहती थी कि कंपनी उसके पति की मृत्यु के बाद उनके गोद लिए हुए बेटे को वैध उत्तराधिकारी मान लें।

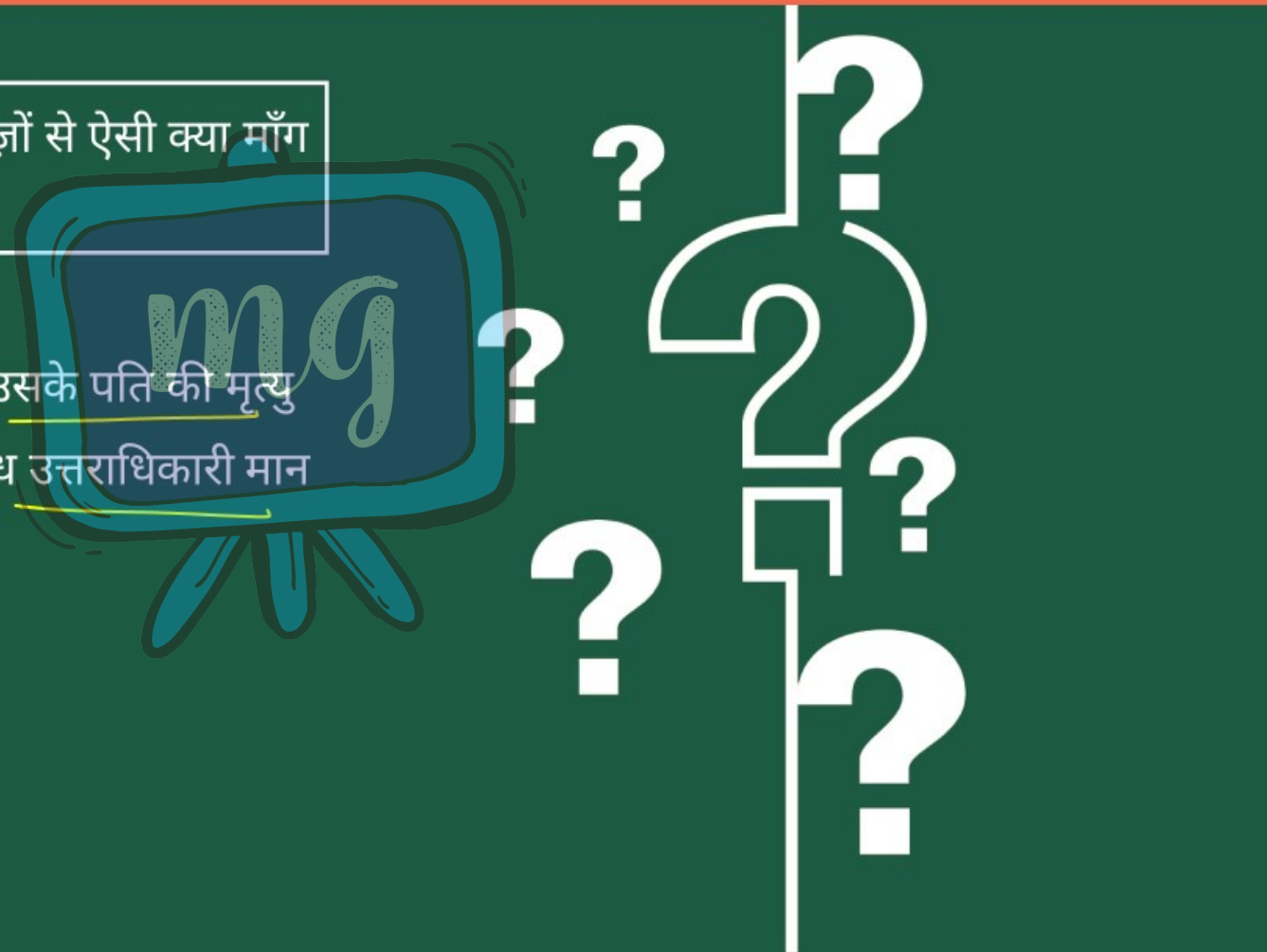

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 ईसाई धर्म अपनाने वालों के हितों की रक्षा के लिए अंग्रेज़ों ने क्या किया?





Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 ईसाई धर्म अपनाने वालों के हितों की रक्षा के लिए अंग्रेज़ों ने क्या किया?

उत्तर :

- 1850 में एक नया कानून बनाया जिससे ईसाई धर्म को अपनाना और आसान हो गया।
- ईसाई धर्म अपनाने वाले भारतीयों को अपने पूर्वजों की संपत्ति प्राप्त करने का अधिकार दे दिया गया।

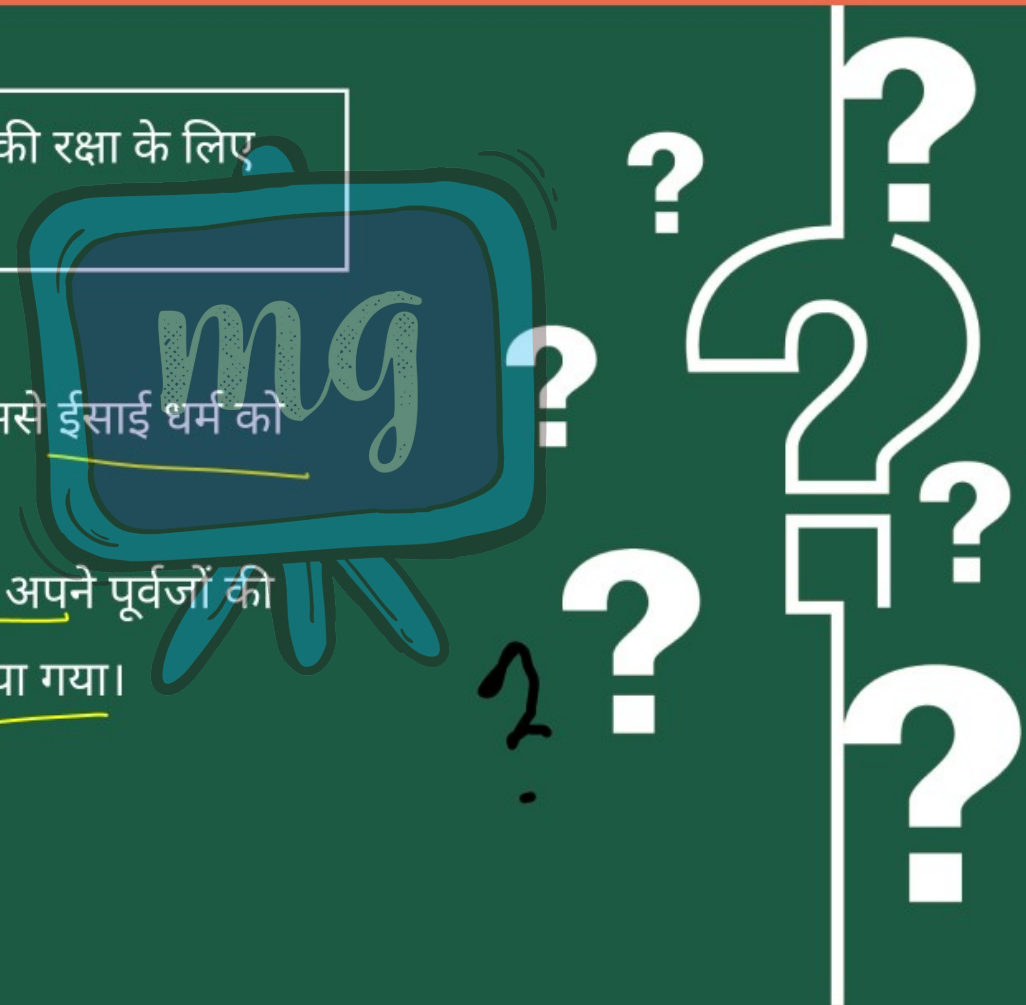

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

3 सिपाहियों को नए कारतूसों पर क्यों ऐतराज़ था?

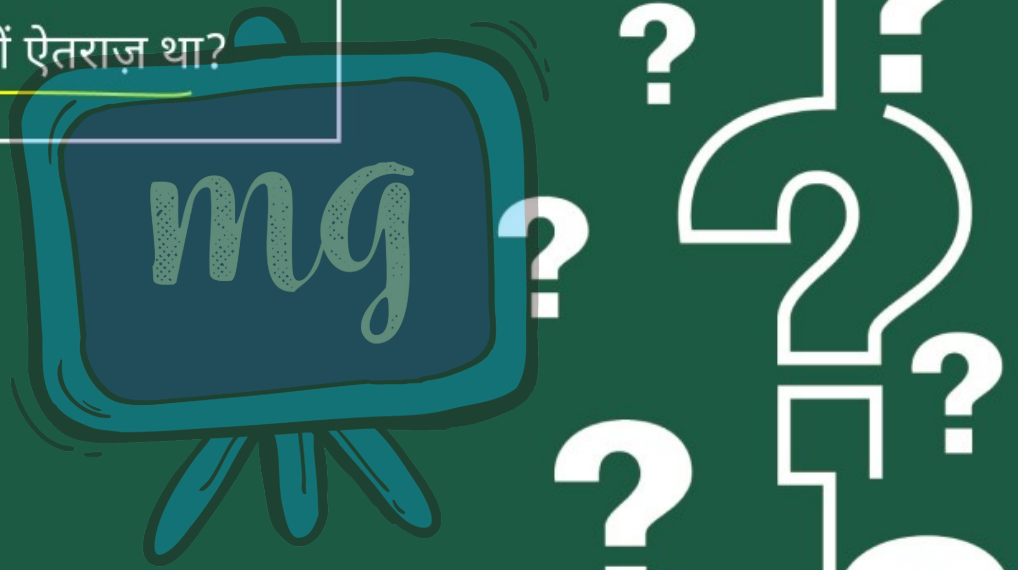

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3 सिपाहियों को नए कारतूसों पर क्यों ऐतराज़ था?

उत्तर :

- सिपाहियों को लगता था कि कारतूस पर लगी पट्टी को बनाने में गाय व सुअर की चर्बी का प्रयोग किया गया है।
- बंदूक में कारतूस लगाने के लिए कारतूस पर लगी पट्टी दाँत से काटनी पड़ती थी।
- इससे हिंदू एवं मुसलमान सिपाहियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचती थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4 अंतिम मुग़ल बादशाह ने अपने आख़िरी साल किस तरह बिताए?





Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 अंतिम मुग़ल बादशाह ने अपने आख़िरी साल किस तरह बिताए?

उत्तर :

- उन पर मुकदमा चलाया गया तथा आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।
- बादशाह के बेटों को उनके सामने गोली मार दी गई।
- बादशाह तथा उनकी पत्नी जीनत महल को रंगून जेल भेज दिया गया जहाँ नवंबर 1862 में उनकी मृत्यु हो गई।

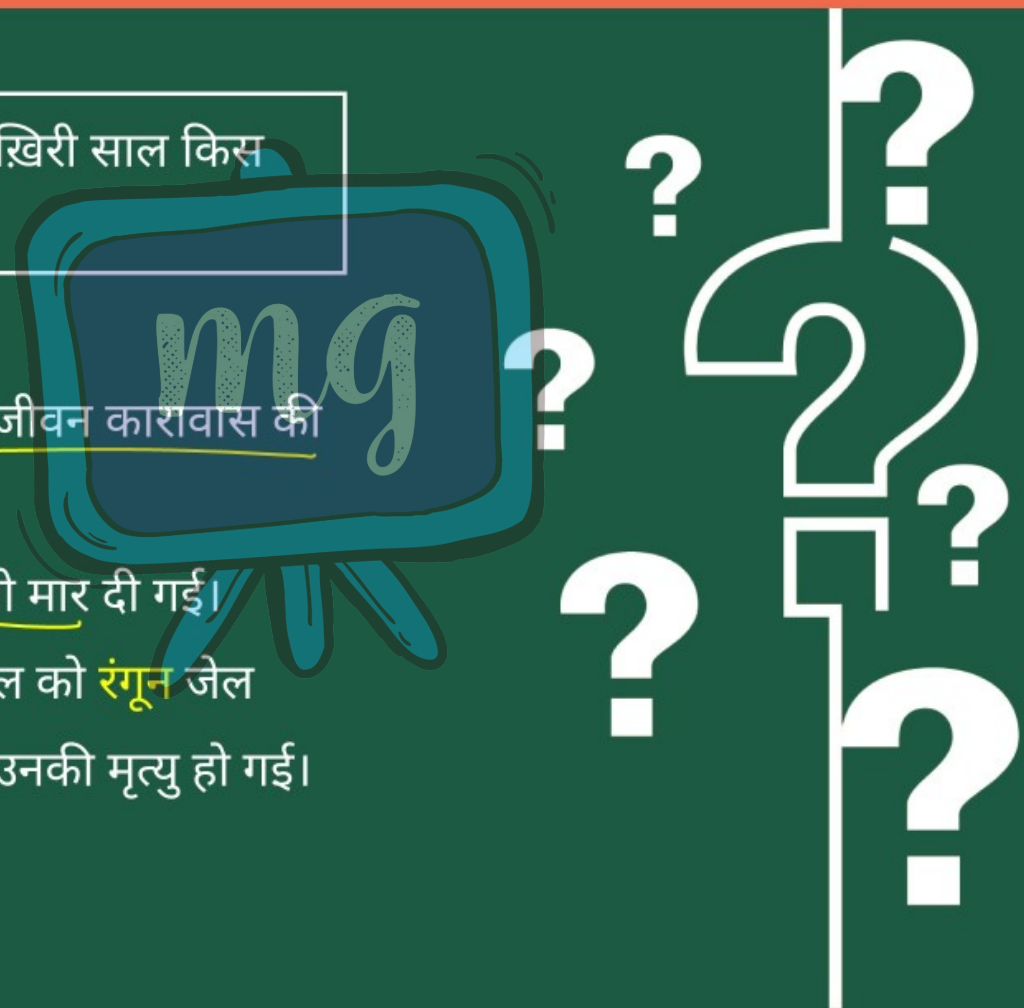

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आइए विचार करें

5 | मई 1857 से पहले भारत में अपनी स्थिति को लेकर अंग्रेज़ शासकों के आत्मविश्वास के क्या कारण थे?

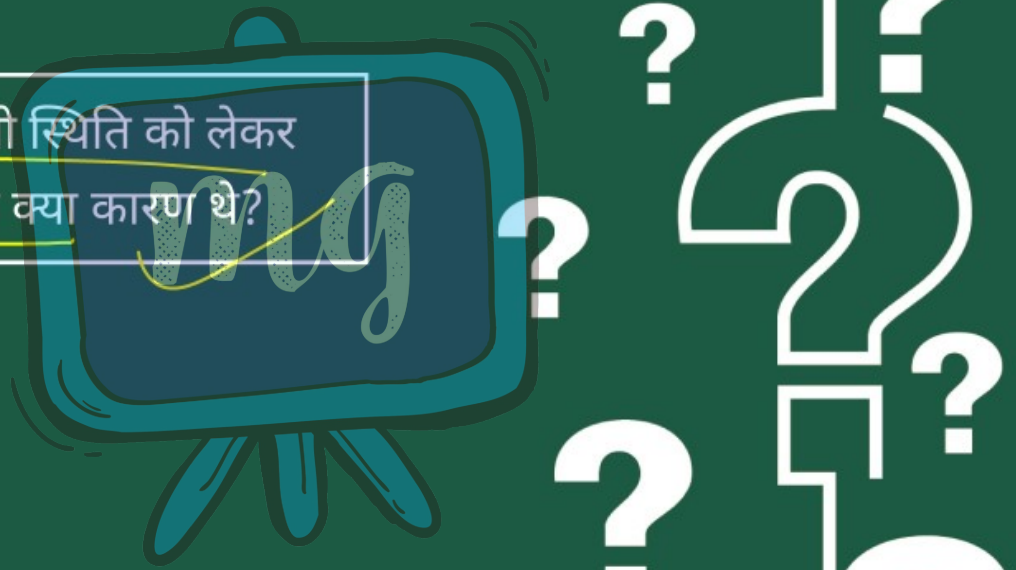

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

5 | मई 1857 से पहले भारत में अपनी स्थिति को लेकर अंग्रेज़ शासकों के आत्मविश्वास के क्या कारण थे?

उत्तर :

- अंग्रेजों की सोच थी कि भारतीय सिपाही उनके विश्वसनीय है।
- 1857 से पहले उन्होंने भारतीय सिपाहियों की सहायता से कई लड़ाइयाँ जीती थीं।
- अंग्रेज शासक जानते थे कि कई स्थानीय राजा व जमींदार उनके शासन का समर्थन करते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- स्थानीय शासकों की स्वतंत्रता घटती जा रही थी, क्योंकि उनकी सेनाओं को भंग कर दिया गया था।
- स्थानीय शासकों के राजस्व वसूलने के अधिकार छीन लिए गए थे।

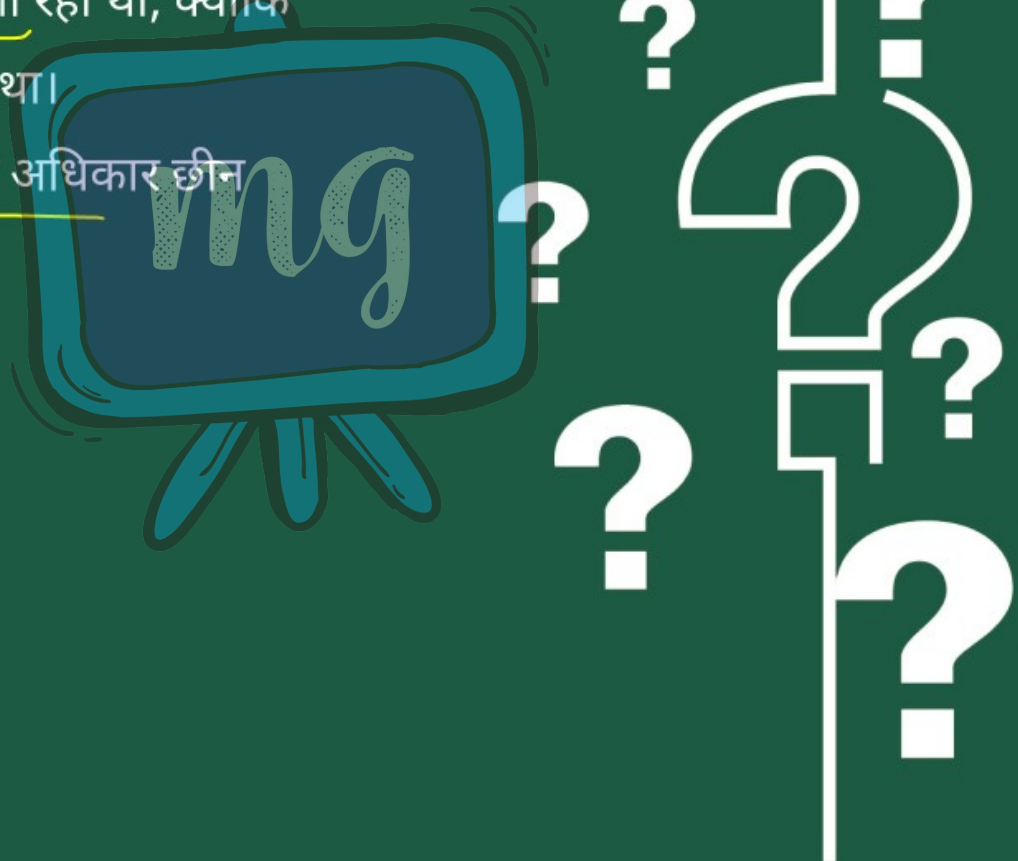

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6 बहादुर शाह ज़फ़र द्वारा विद्रोहियों को समर्थन दे देने से जनता और राज-परिवारों पर क्या असर पड़ा?

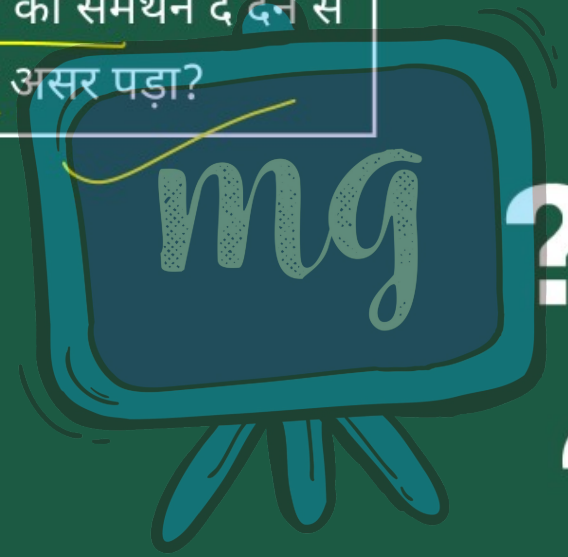



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6 बहादुर शाह ज़फ़र द्वारा विद्रोहियों को समर्थन दे देने से जनता और राज-परिवारों पर क्या असर पड़ा?

उत्तर :

- बहादुर शाह ज़फ़र के समर्थन से जनता का उत्साह और साहस बढ़ गया।
- इससे उन्हें आगे बढ़ने की हिम्मत, उम्मीद और आत्मविश्वास मिला।

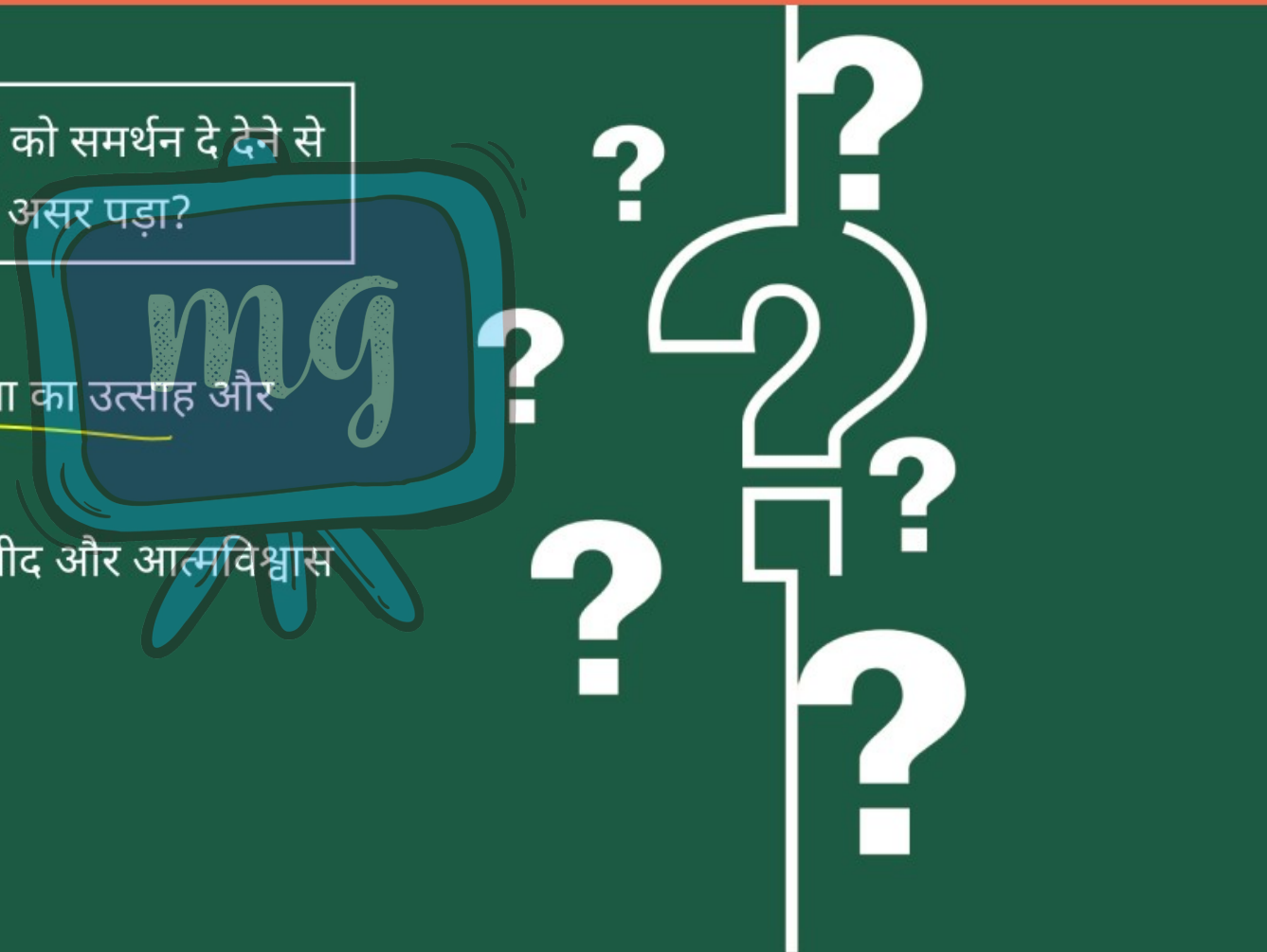

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ब्रिटिश शासन के विस्तार से भयभीत बहुत सारे शासकों को लगने लगा कि अब फिर से मुगल बादशाह अपना शासन स्थापित कर लेंगे।
- जनता को लगने लगा था कि अब ब्रिटिश राज खत्म हो जाएगा और उन्हें अपनी सत्ता वापस मिल जाएगी।

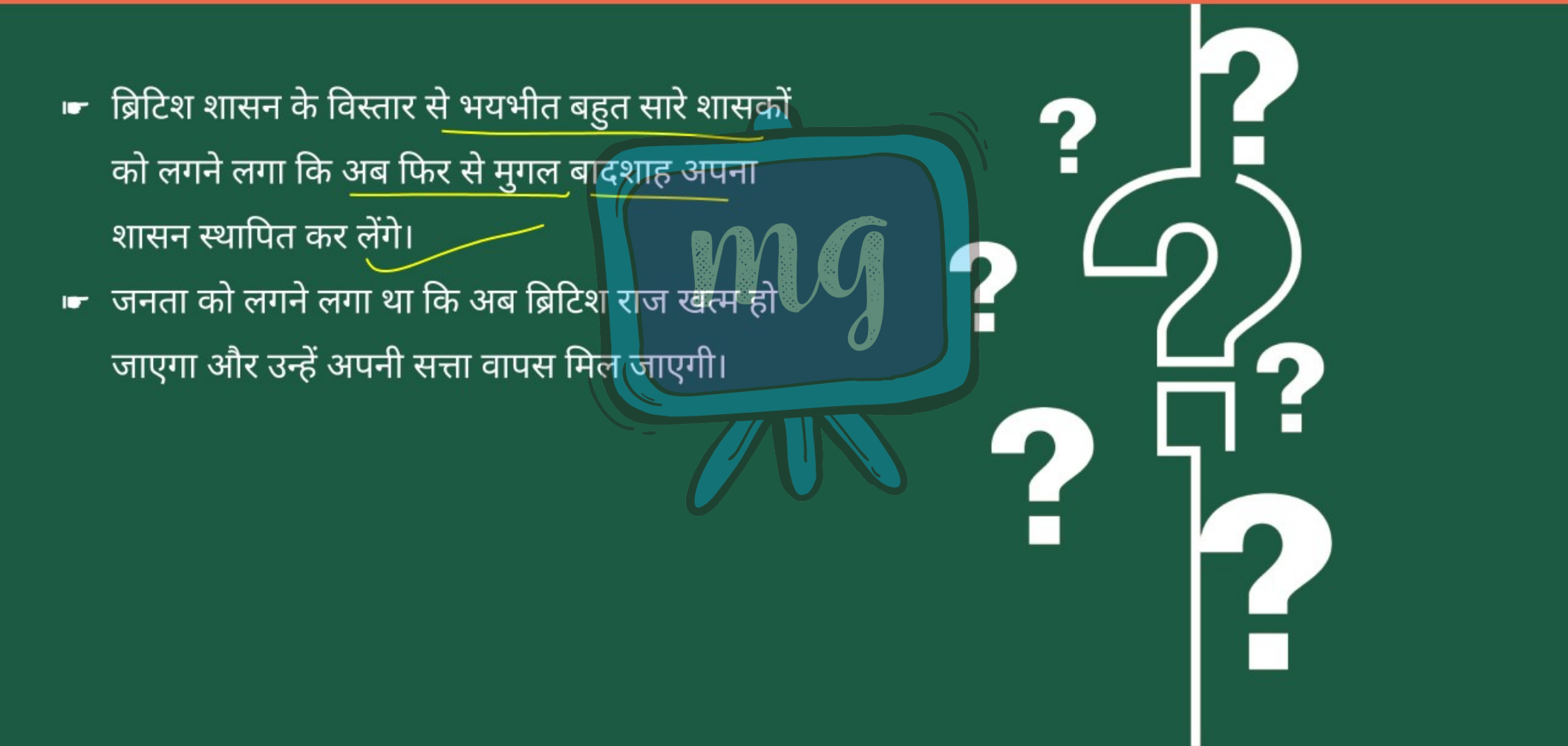

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7 अवध के बागी भूस्वामियों से समर्पण करवाने के लिए अंग्रेज़ों ने क्या किया?





Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7 अवध के बागी भूस्वामियों से समर्पण करवाने के लिए अंग्रेज़ों ने क्या किया?

उत्तर :

- अंग्रेजों ने कुछ भू-स्वामियों, राजाओं व नवाबों पर मुकदमे चलाए तथा उन्हें फाँसी दे दी।
- अंग्रेजों ने घोषणा की कि जो भू-स्वामी ब्रिटिश राज के प्रति स्वामिभक्त बने रहेंगे, उन्हें अपनी जमीन पर पारंपरिक अधिकार मिल जायेंगे।

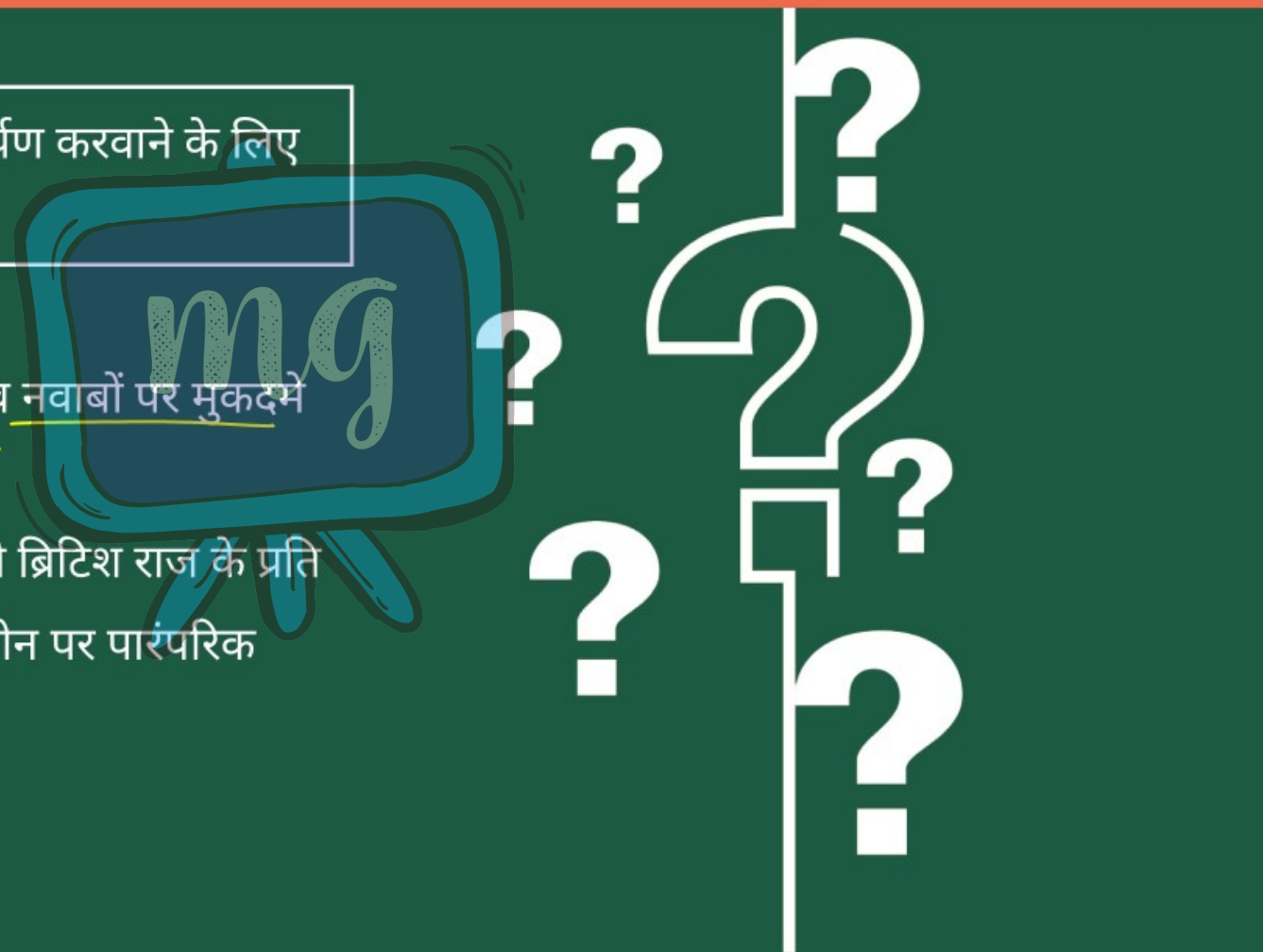

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- जिन भू-स्वामियों ने विद्रोह किया था यदि उन्होंने किसी अंग्रेज़ की हत्या नहीं की है और वे आत्मसमर्पण करना चाहते हैं तो उन्हें सुरक्षा की गारंटी दी गई।

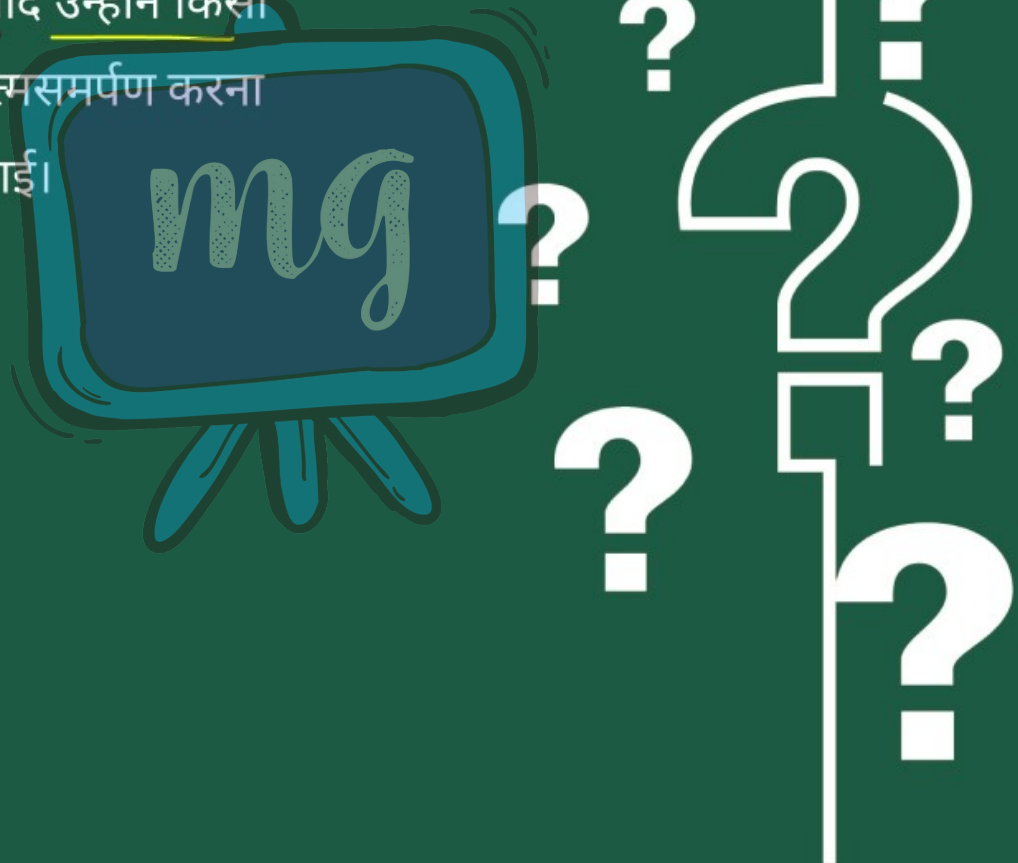

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8 | 1857 की बग़ावत के फलस्वरूप अंग्रेज़ों ने अपनी नीतियाँ किस तरह बदलीं?





Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8 1857 की बग़ावत के फलस्वरूप अंग्रेज़ों ने अपनी नीतियाँ किस तरह बदलीं?

उत्तर :

- ब्रिटिश संसद ने 1858 में एक नया कानून पारित किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के सारे अधिकार ब्रिटिश साम्राज्य के हाथ में सौंप दिए।
- ब्रिटिश मंत्रिमंडल में एक सदस्य को भारत मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया।

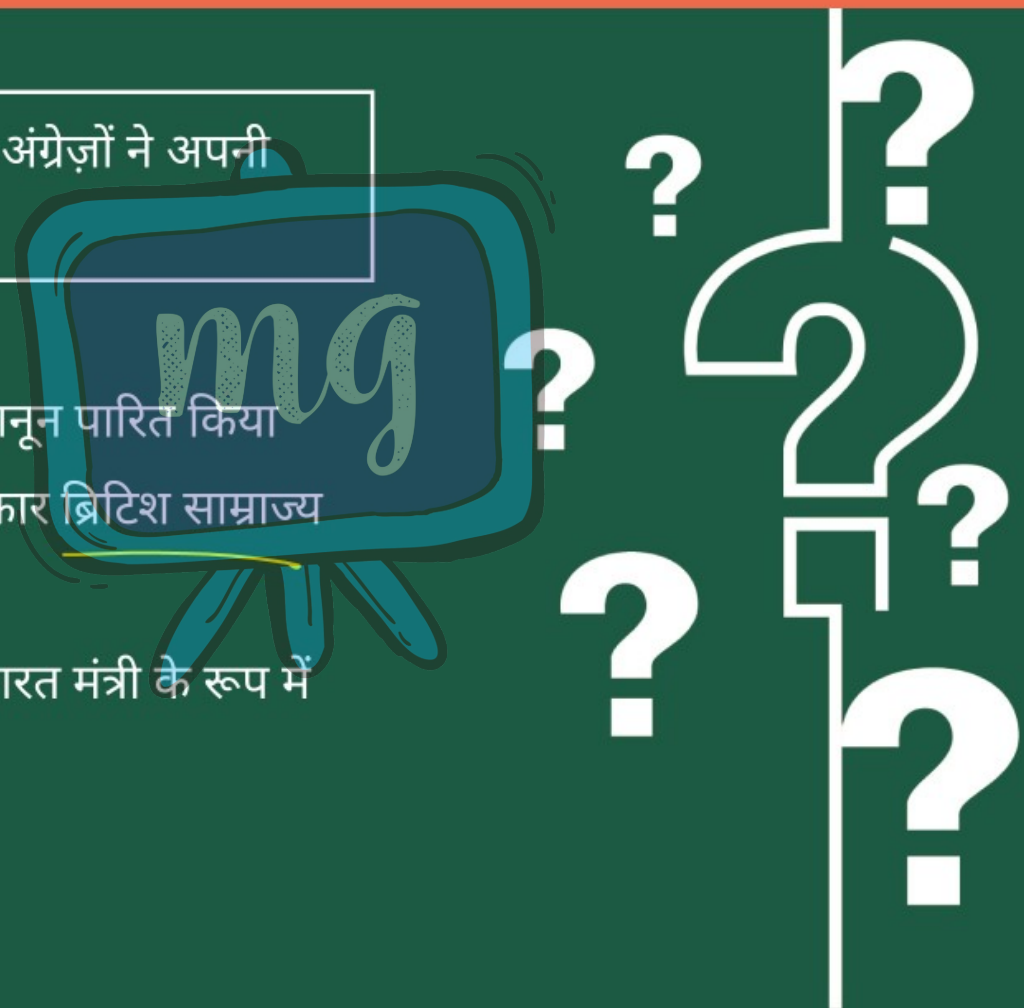

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उसे सलाह देने के लिए एक परिषद् का गठन किया गया जिसे इंडिया काउंसिल कहा जाता था।
- भारत के गवर्नर-जनरल को वायसराय कहा जाने लगा।

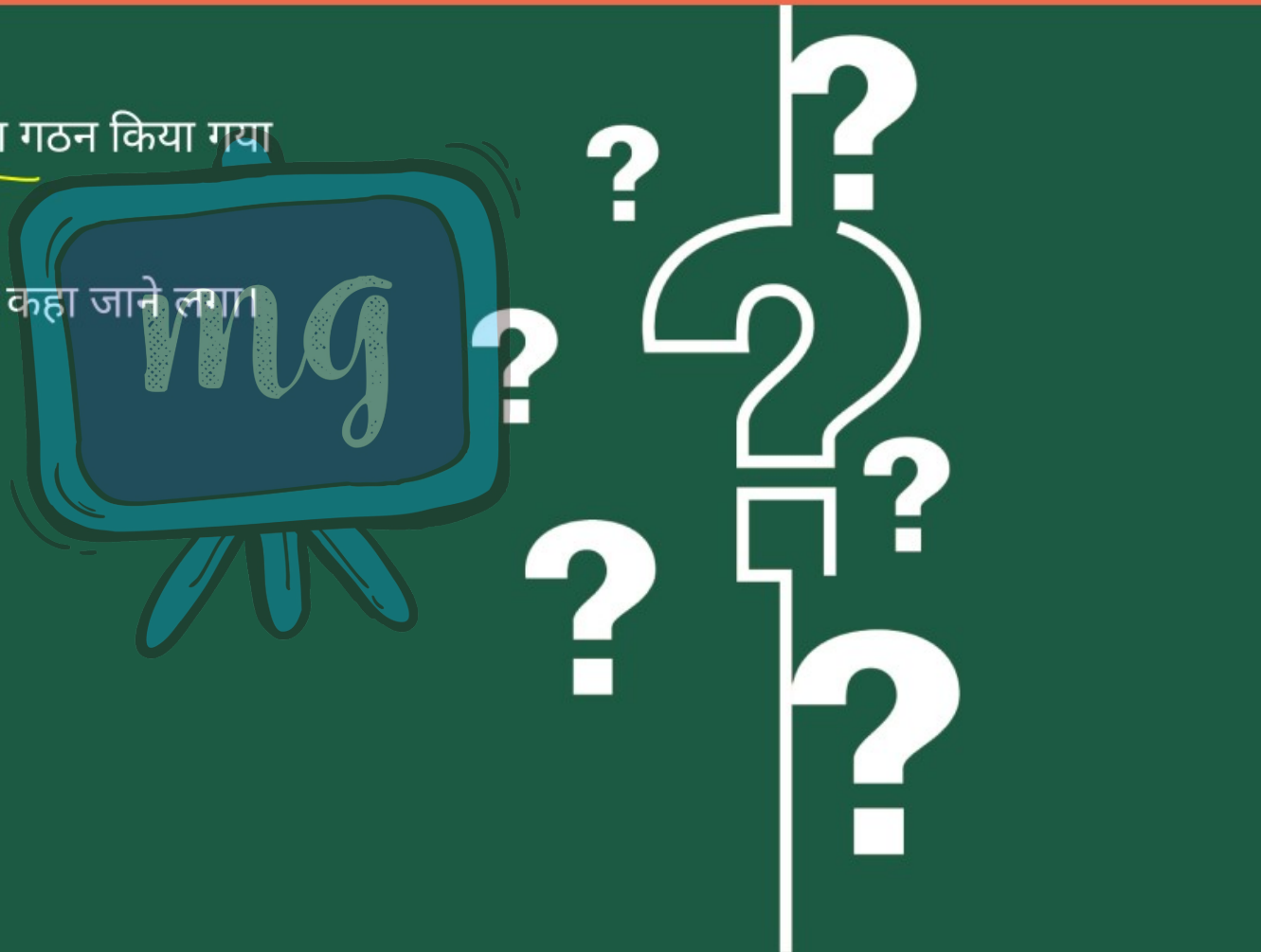

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आइए करके देखें

9 पता लगाएँ कि सन् सत्तावन की लड़ाई के बारे में आपके इलाके या आपके परिवार के लोगों को किस तरह की कहानियाँ और गीत याद हैं? इस महान विद्रोह से संबंधित कौन-सी यादें अभी लोगों को उत्तेजित करती हैं?

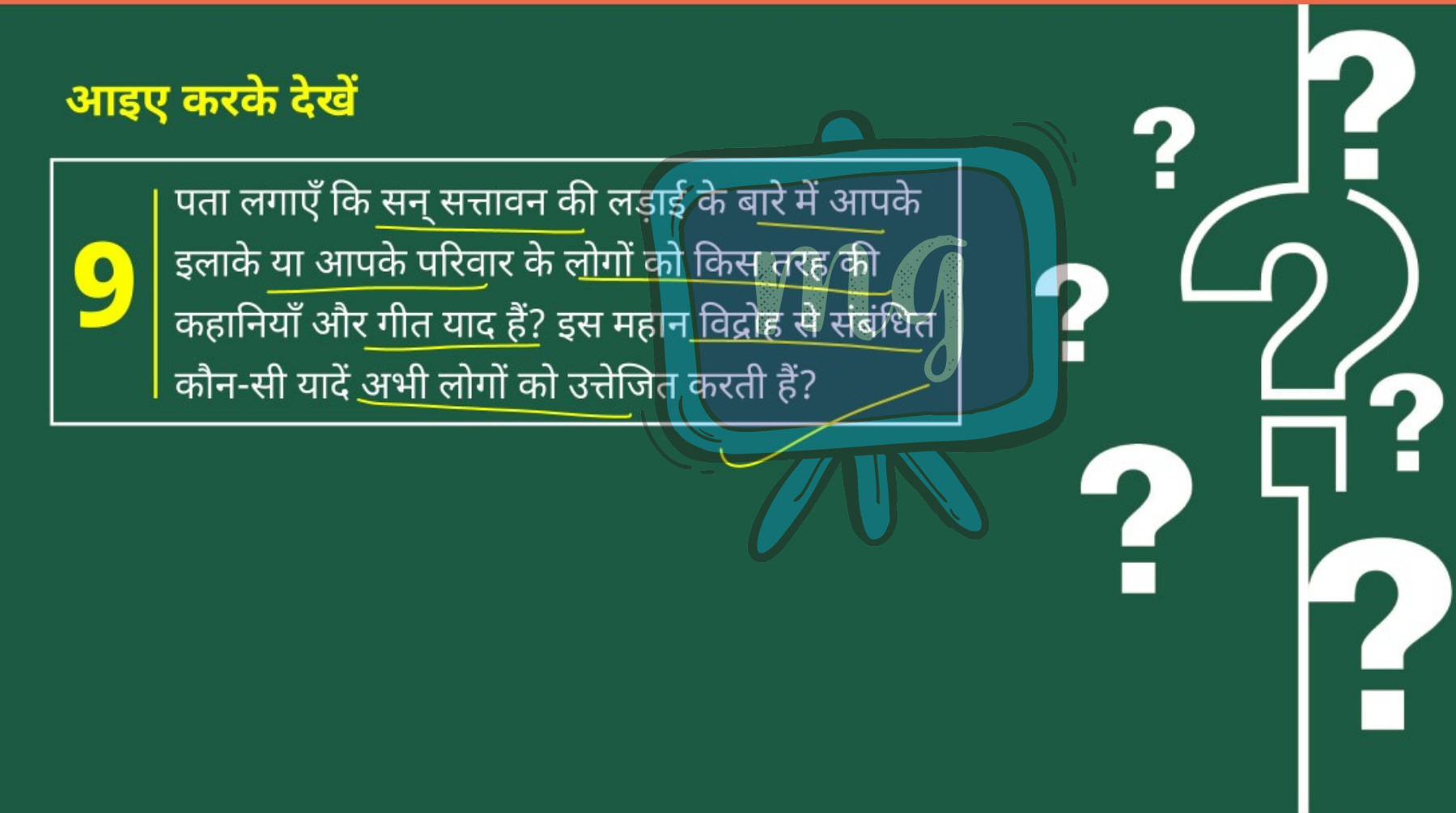

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9 पता लगाएँ कि सन् सत्तावन की लड़ाई के बारे में आपके इलाके या आपके परिवार के लोगों को किस तरह की कहानियाँ और गीत याद हैं? इस महान विद्रोह से संबंधित कौन-सी यादें अभी लोगों को उत्तेजित करती हैं?

उत्तर :

- **गीत :** खूब लड़ी मर्दानी वह तो झाँसी वाली रानी थी।
- **कहानी :** अंग्रेज़ों द्वारा मंगल पांडे को फाँसी पर लटकाने की कहानी आज भी हमें उत्तेजित कर देती है।

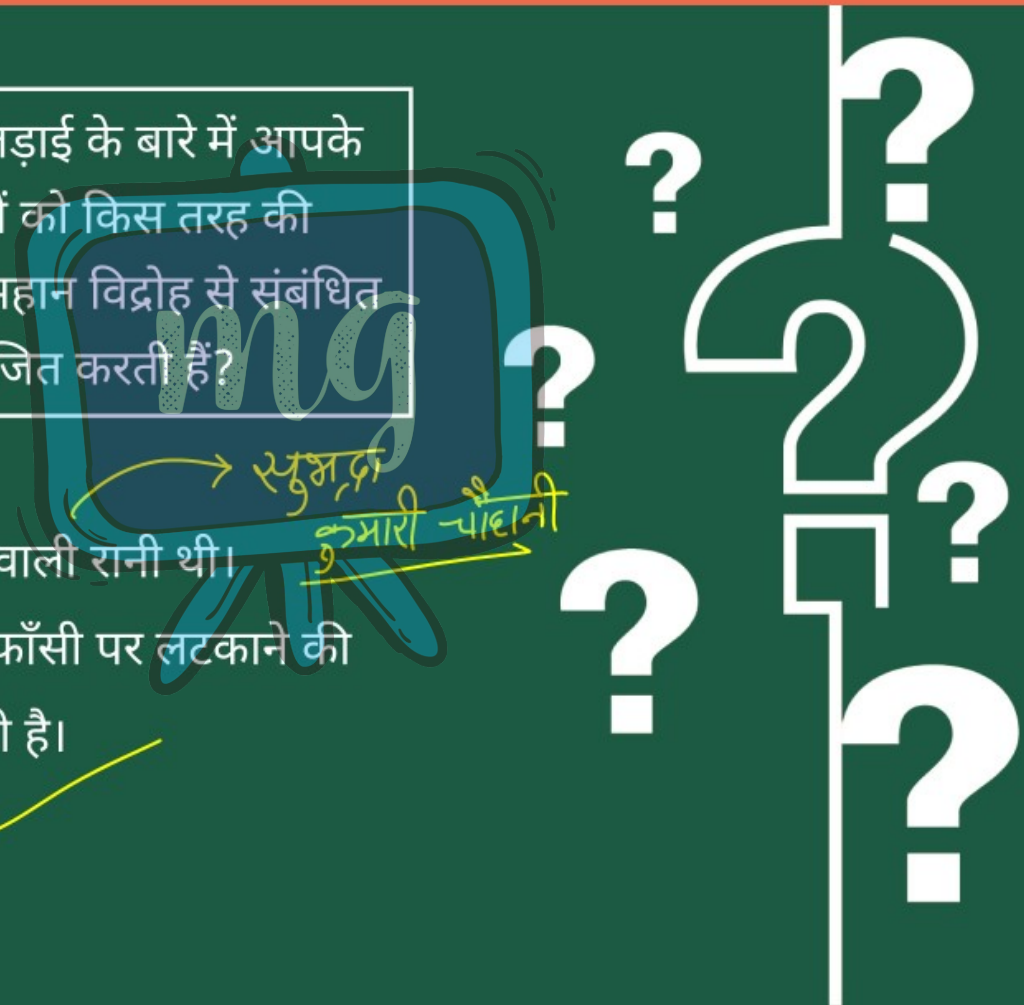

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10 झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में और पता लगाएँ। आप उन्हें अपने समय की एक विलक्षण महिला क्यों मानते हैं?

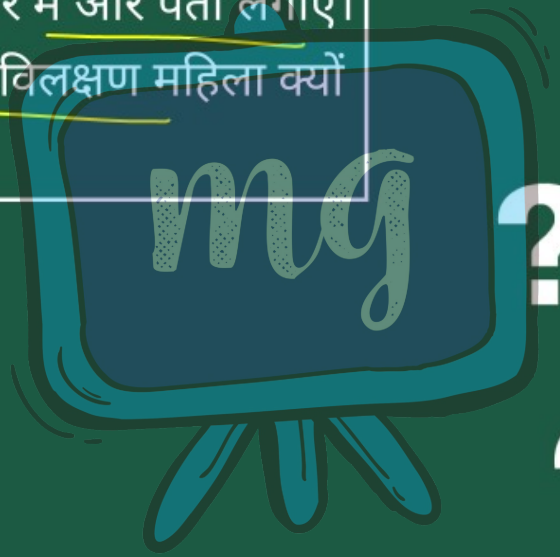



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10 झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई के बारे में और पता लगाएँ। आप उन्हें अपने समय की एक विलक्षण महिला क्यों मानते हैं?

उत्तर :

झाँसी की रानी–

- जन्म – 19 नवंबर 1828, वाराणसी, मराठी ब्राह्मण परिवार।
- मूल नाम – मणिकर्णिका
- माता – भागीरथी सापरे
- पिता – मोरोपंत तांबे,बिठूर जिले के पेशवा के दरबार में कार्यरत।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- पति – गंगाधर राव
- पेशवा ने उसे "छबीली" कहा, जिसका अर्थ है "चंचल"
- 1857 के संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी की सुरक्षा के लिए अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी।
- 18 जून 1858 को ग्वालियर के पास ब्रिटिश सेना से लड़ते हुए रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु हो गई।

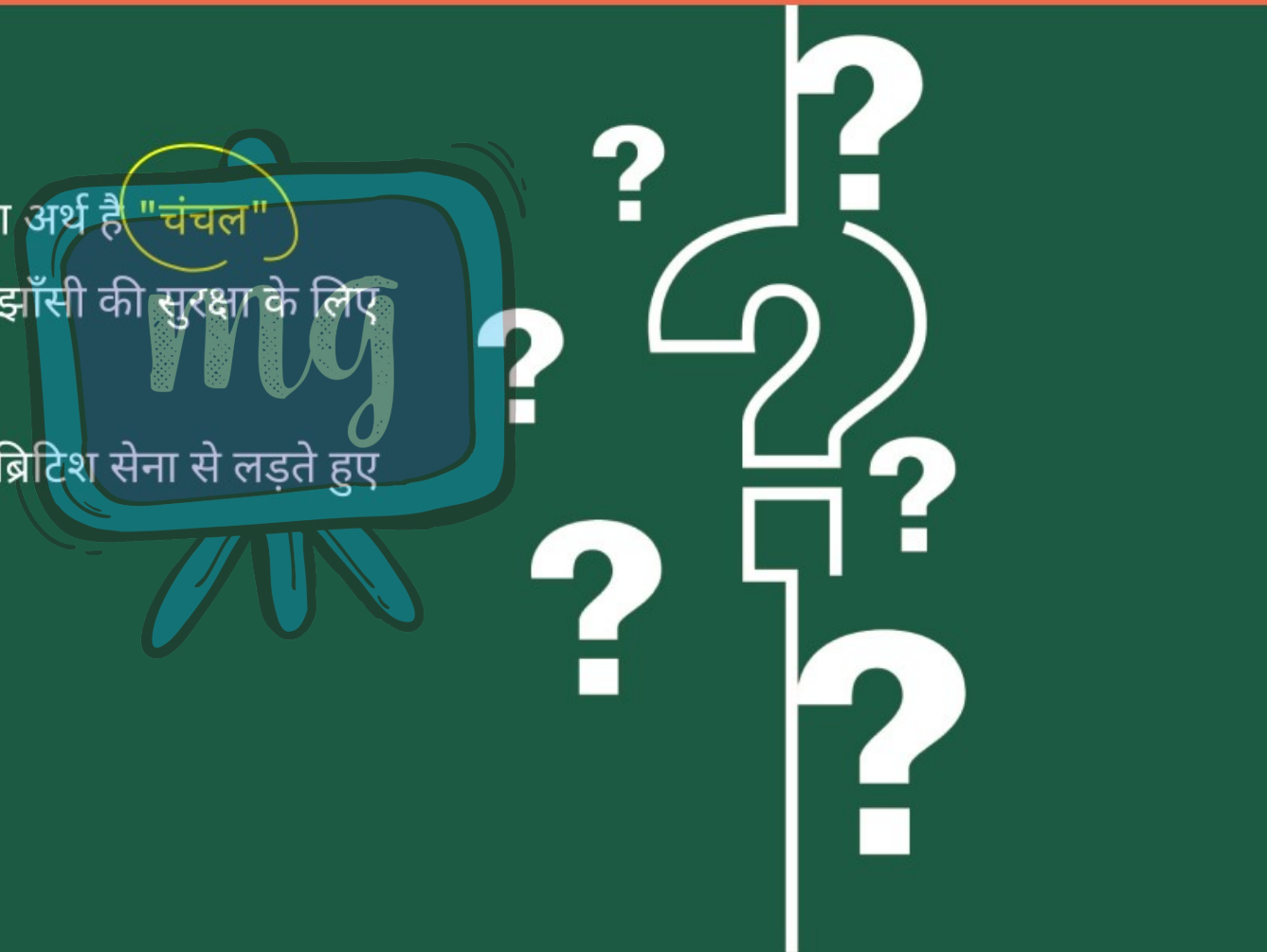

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अभ्यास प्रश्न



झाँसी की रानी





Under CSR Support by
ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1. अंग्रेजों की नीतियाँ और उनका प्रभाव
2. सैनिक विद्रोह जनविद्रोह बन गया
3. कंपनी का पलटवार



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कंपनी का पलटवार

- कंपनी ने इंग्लैंड से फ़ौजी मँगवाए और विद्रोह के मुख्य केंद्रों पर धावा बोल दिया।
- सितंबर 1857 में दिल्ली अंग्रेज़ों के कब्ज़े में आ गई।
- अंतिम मुग़ल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र को आजीवन कारावास की सज़ा दी गई।

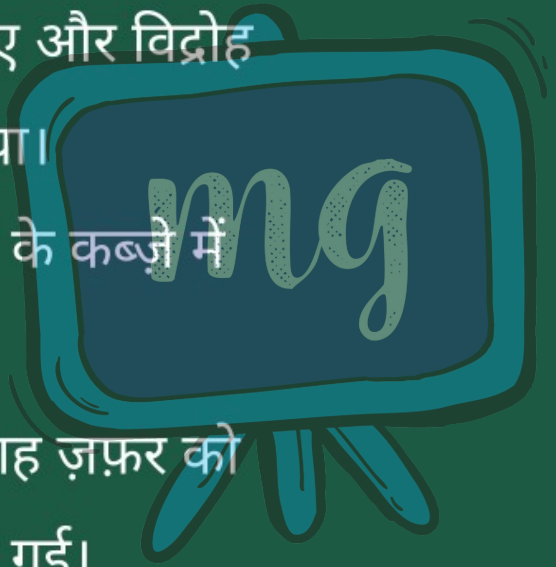

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- बहादुर शाह और उनकी पत्नी बेगम जीनत महल को अक्तूबर 1858 में रंगून जेल में भेज दिया गया।
- इसी जेल में नवंबर 1862 में बहादुर शाह ज़फ़र ने अंतिम साँस ली।
- मार्च 1858 में लखनऊ अंग्रेज़ों के कब्ज़े में चला गया।
- जून 1858 में रानी लक्ष्मीबाई को मार दिया गया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ **तात्या टोपे** मध्य भारत के जंगलों में रहते हुए आदिवासियों और किसानों की सहायता से छापामार युद्ध चलाते रहे।

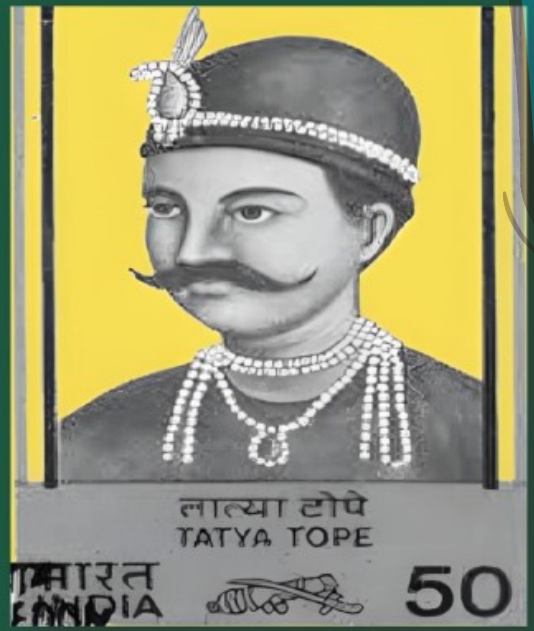

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अंग्रेज़ों ने वफ़ादार भूस्वामियों के लिए ईनामों का ऐलान कर दिया।
- उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनकी ज़मीन पर उनके परंपरागत अधिकार बने रहेंगे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

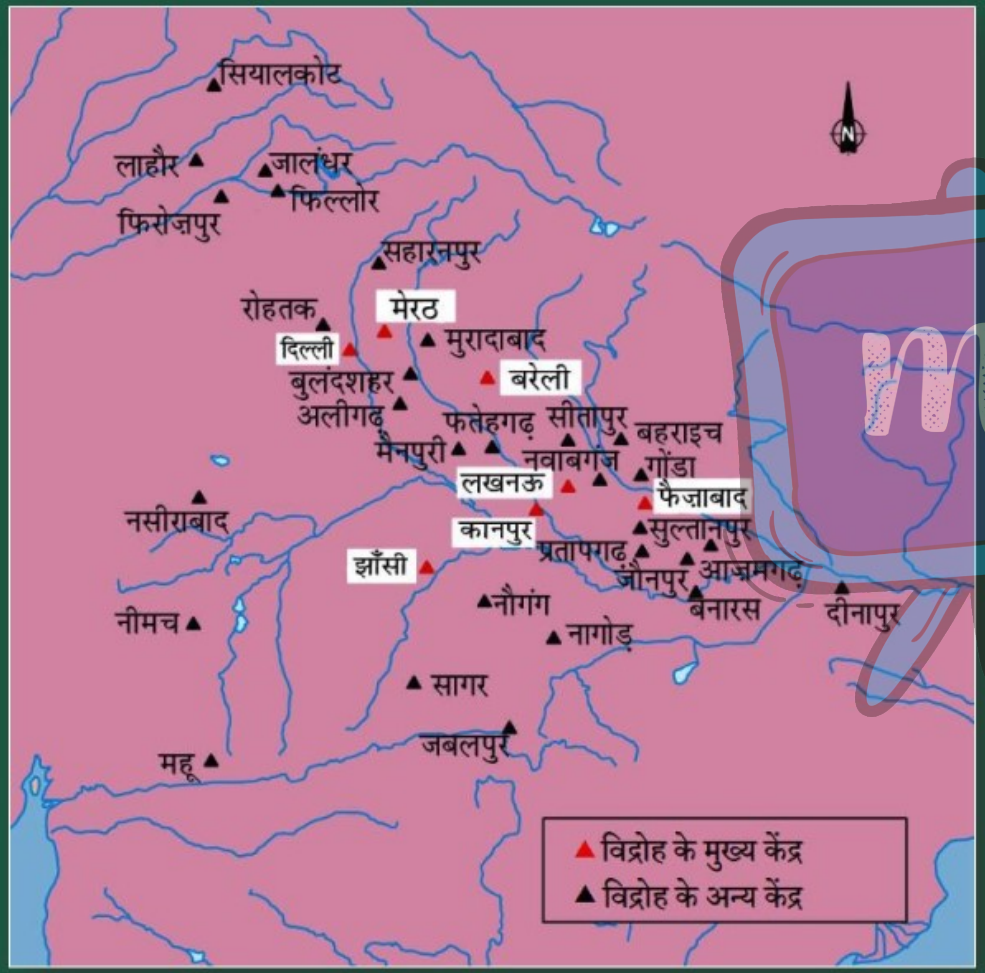

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विद्रोह के बाद के साल

- अंग्रेज़ों ने 1859 के आखिर तक देश पर दोबारा नियंत्रण पा लिया था।
- अब वे पहले वाली नीतियों के सहारे शासन नहीं चला सकते थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अंग्रेज़ों ने जो अहम बदलाव किए वे निम्नलिखित हैं–

1. ब्रिटिश संसद ने 1858 में एक नया कानून पारित किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के सारे अधिकार ब्रिटिश साम्राज्य के हाथ में सौंप दिए।

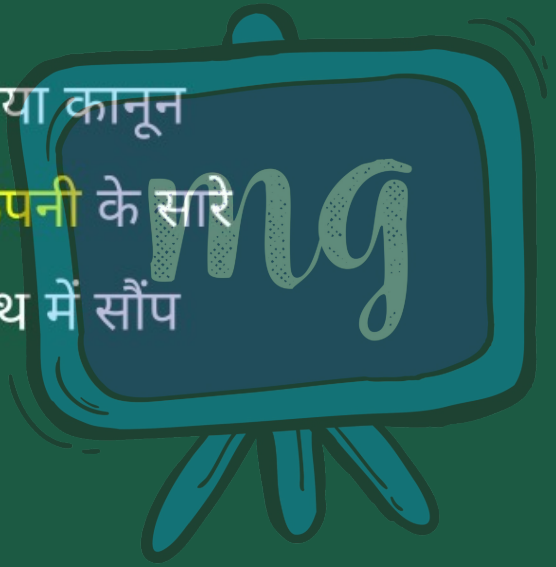

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. ब्रिटिश मंत्रिमंडल के एक सदस्य को भारत मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया। उसे सलाह देने के लिए एक परिषद् का गठन किया गया जिसे इंडिया काउंसिल कहा जाता था।
3. भारत के गवर्नर-जनरल को वायसराय का ओहदा दिया गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4. देश के सभी शासकों को भरोसा दिया गया कि भविष्य में कभी भी उनके भूक्षेत्र पर कब्ज़ा नहीं किया जाएगा। उन्हें अपनी रियासत अपने वंशजों, यहाँ तक कि दत्तक पुत्रों को सौंपने की छूट दे दी गई।
5. सेना में भारतीय सिपाहियों का अनुपात कम करने और यूरोपीय सिपाहियों की संख्या बढ़ाने का फैसला लिया गया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

6. अवध, बिहार, मध्य भारत और दक्षिण भारत से सिपाहियों को भर्ती करने की बजाय अब गोरखा, सिखों और पठानों में से ज़्यादा सिपाही भर्ती किए जाएँगे।
7. मुसलमानों की ज़मीन और संपत्ति बड़े पैमाने पर जब्त की गई।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

8. अंग्रेज़ों ने फैसला किया कि वे भारत के लोगों के धर्म और सामाजिक रीति-रिवाज़ों का सम्मान करेंगे।
9. भूस्वामियों और ज़मींदारों की रक्षा करने तथा ज़मीन पर उनके अधिकारों को स्थायित्व देने के लिए नीतियाँ बनाई गईं।

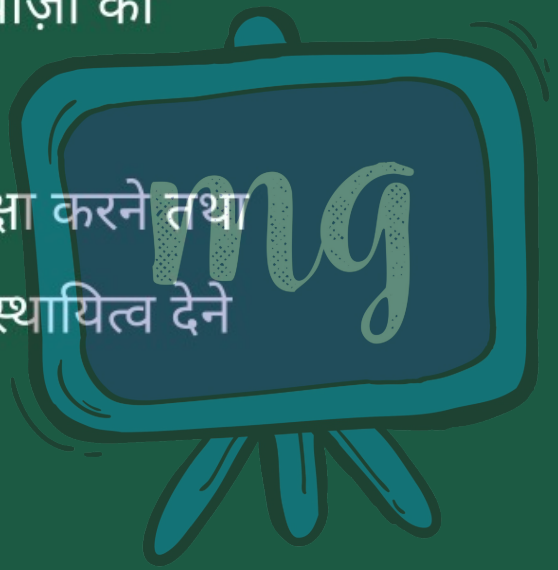

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

"खुर्दा संग्राम - एक केस स्टडी"

- 1857 के समान ही एक घटना सन् 1817 में खुर्दा नामक स्थान पर घटित हुई थी।
- खुर्दा ओडिशा के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित एक छोटा राज्य था।
- इसके शासक, राजा बीरकिशोर देव थे।
- उन्हें अपने चार परगनाओं को तथा जगन्नाथ मंदिर के संचालन अधिकार को दबाव में आकर मराठाओं को सौंप देना पड़ा था।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उनके पुत्र तथा उत्तराधिकारी, मुकुंद देव (द्वितीय) इस दुर्दशा से विचलित थे।
- अतः अंग्रेज़ों और मराठों के बीच जारी संघर्ष में उन्होंने अंग्रेजों के साथ सलाह मशवरा शुरू कर दिया था।
- 1803 में ओडिशा को अपने कब्जे में लेने के बाद अंग्रेज़ों ने कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की।
- परिणामतः उन्होंने जबरन अपने अधिकारों को लागू करने का प्रयास किया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- अंग्रेज़ों ने उनके राज्य को अपने राज्य में मिला लिया।
- सांत्वना के रूप में अंग्रेज़ों ने उन्हें जगन्नाथ मंदिर की देखरेख का दायित्व दिया तथा उनका निवास पुरी में निश्चित कर दिया।
- खुर्दा को अपने अधीन करने के बाद अंग्रेजों ने जमीन पर कर लगाने की नीति अपनाई।
- इसमें राज्य के पूर्व सैनिक वर्ग, जिन्हें 'पाइक' के नाम से जाना जाता था, उनका जीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ।

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. कंपनी द्वारा पुनः भारतीय रियासतों पर कब्जा
2. 1857 के बाद का नया चरण

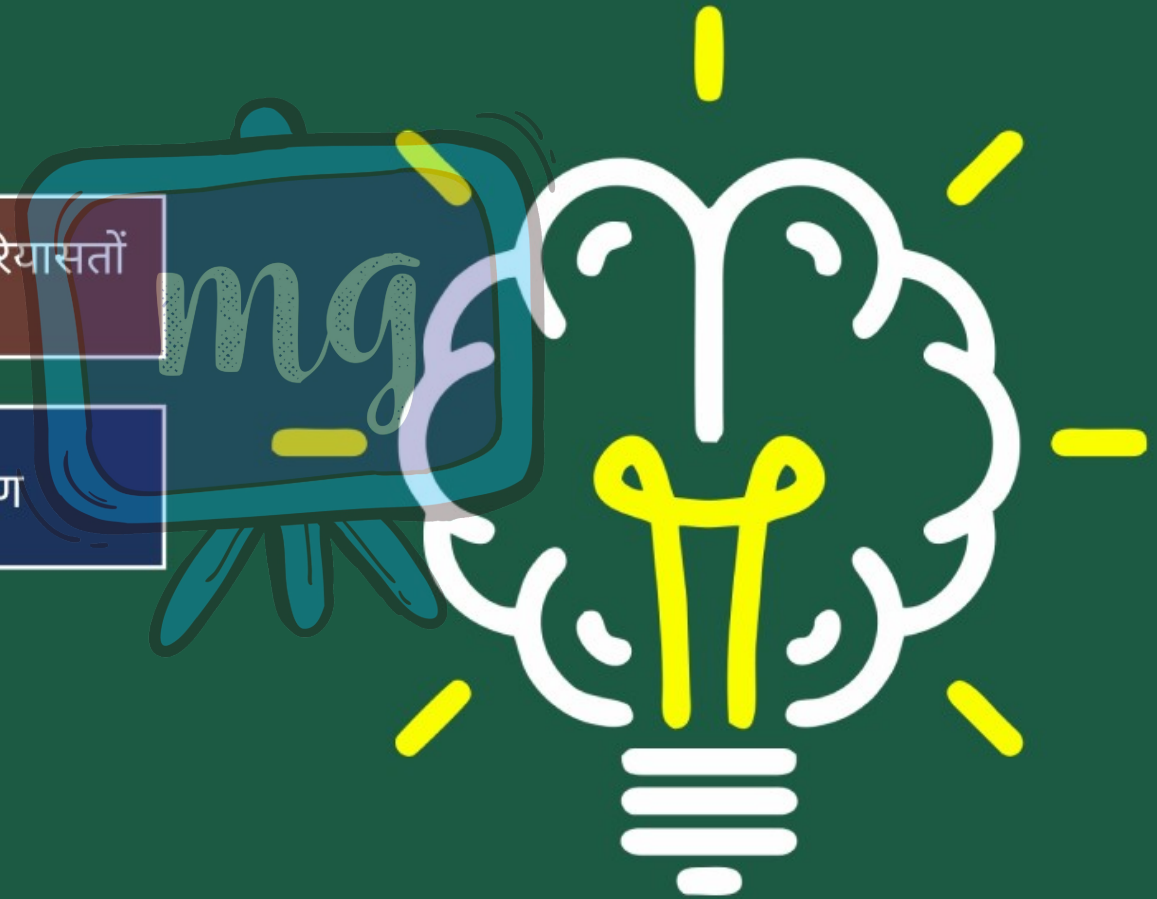

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 | अंग्रेजों ने दिल्ली पर दोबारा कब्जा कब किया?

- अ सितम्बर 1857
- ब जून 1857
- स जुलाई 1857
- द अगस्त 1857

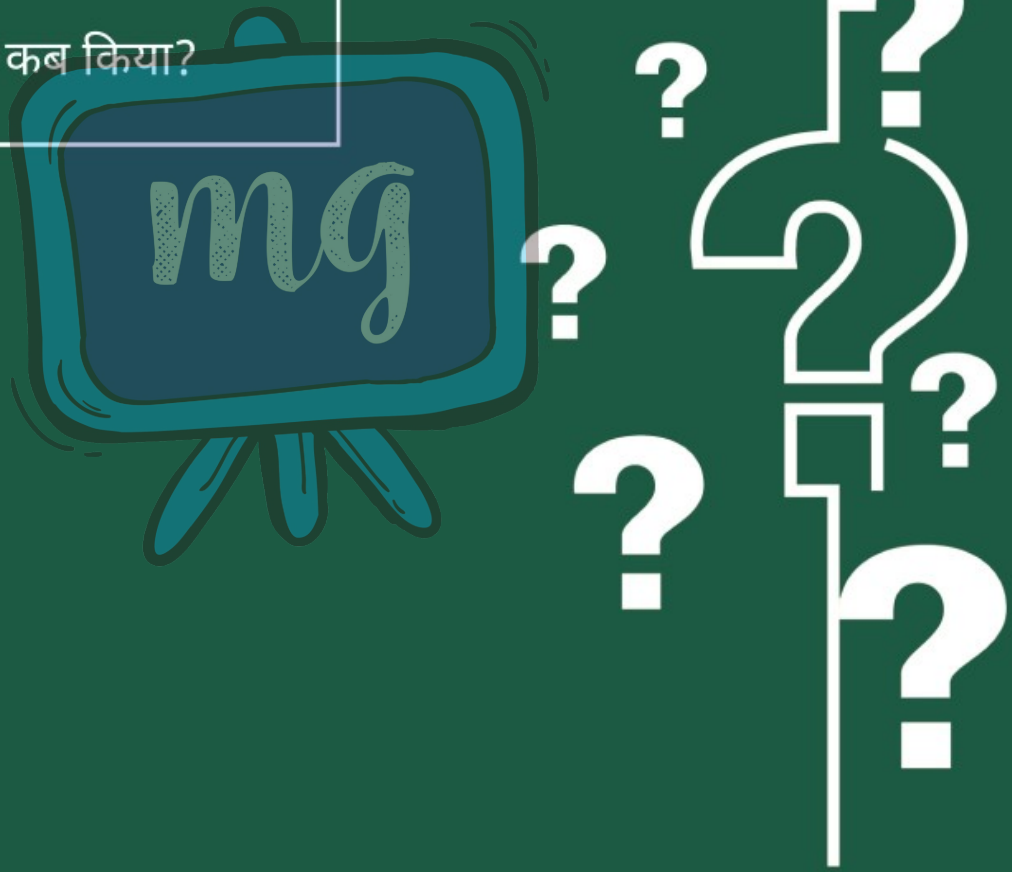

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 बहादुर शाह जफ़र को कहाँ की जेल में भेजा गया?

अ रंगून

ब श्रीलंका

स चीन

द मलेशिया





Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3 रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु कब हुई?



अ जून 1857

ब जून 1858

स अगस्त 1857

द अगस्त 1858

Under CSR Support by ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 ब्रिटिश संसद ने 1858 में एक नया कानून पारित किया और ईस्ट इंडिया कंपनी के सारे अधिकार ब्रिटिश साम्राज्य के हाथ में सौंप दिए।

अ सत्य

ब असत्य

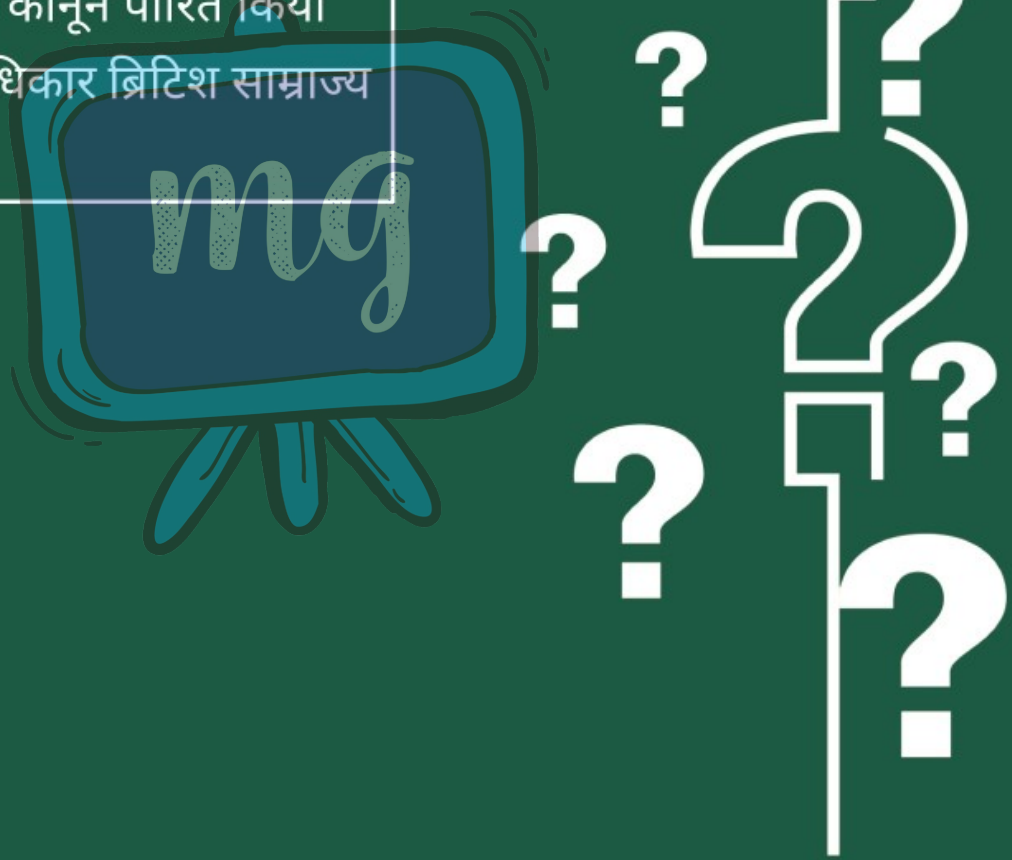

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मूल्यांकन (Assessment)

5 | 1857 ई. के विद्रोह के पश्चात् भारत के गवर्नर जनरल को ---------- का ओहदा दिया गया।

